(b) if so, the details thereof;

(c) the steps taken to expedite the process of recruitment of ATCs;

(d) whether it is also a fact that the controllers have to manage with outdated equipements; and

(e) if so, the steps taken to modernise the ATC system at the airports?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) to (c) There is a requirement of additional Air Traffic Controlers (ATCs) at certain airports where equipment for modernisation of Air traffic services has been installed. Airports Authority of India (AAI) has taken steps to recruit 60 ATCs through open advetisment.

(d) and (e) Modernisation of Air Traffic Control System is a continuous process. The modernised ATC system at Delhi is under operational trials and the system at Mumbai would be ready for operational trials by the end of August, 1997. Airport Surveillance Rader and Monopulse Secondary Surveillance Radar have been commissioned at Trivandum, Hyderabad and Guwahati. These radars are under installation at Ahmedabad, Chennai & Calcutta. Automotic Developemnt Surveillance and Controller Pilot Data Link Communication systems have been installed at Calcutta airport. Installation of this system at Chennai, Delhi and Mumbai is in progress.

एलायंस एयरवेज द्वारा लक्षद्वीप और अण्डमान निकोबार द्वीप समूहों को डोर्नियर सेवा

1408. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार द्वीप समूहों को हवाई सेवा की सुचारू उड़ानों की दृष्टि से एलायंस एयरवेज को डोर्नियर सेवा चलाने की अनुमति / निर्देश दिए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो कब और क्या इसी आधार पर हिमाचल प्रदेश में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों-कुल्लू, शिमला और कांगड़ा को भी एलायंस एयरवेज के माध्यम से डोर्नियर सेवा चलाने की अनुमति / निर्देश देने पर विचार किया जाएगा; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी०एम० इब्राहीम): (क) इंडियन एयरलाइन्स का शार्ट हॉल ओपरेशन विभाग लक्षद्वीप के अगात्ती द्वीप तथा कोचीन के मध्य विमान सेवा सप्ताह में 5 दिन प्रचालित कर रहा है। ऐसी कोई सेवा अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह से शुरू नहीं की गई है।

(ख) और (ग) विमानकंपनियां देश में किसी भी हवाई अड्डे के लिए अपने सर्वोत्तम वाणिज्यिक निर्णय के आधार पर तथा सरकार द्वारा विहित मार्ग ऑबटन सम्बन्धी मार्गदर्शी-सिद्धांतों को पूरा करने पर अपनी सेवाएं प्रचालित करने के लिए स्वतंत्र हैं।

Proposal to sell entire Boeing 737 Fleet by Indian Airlines

1409. DR. Y. LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the Indian Airlines propose to sell their entire Boeing 737 fleet and then lease them; and

(b) the reasons behind this strategy?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C. M. IBRAHIM): (a) Yes, Sir.

(b) Under the 'Sale and Lease Back' arrangement, Indian Airlines would sell the aircraft to the lessor for the purchase price and then take these aircraft on lease. At the end of the lease term, Indian Airlines would purchase these aircraft from the lessor for a marginal consideration of, say, equivalent of US $ 100. This arrangement is more of a financing nature and the possession of the aircraft would not be parted with at any stage.

Separate FI to fund aircraft purchase by Private airlines

1410. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention; has been drawn to the news report

appearing in the Business Standard dated 14th July, 1997 under the caption "Private airlines seek separate FI to fund aircraft purchase";

(b) if so, the details of the reaction of Government to the observations made therein and facts of the matter;

(c) the details of the representations/ memorandum received by Government in this regard and action taken thereon; and

(d) the present status of the proposal?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C. M. IBRAHIM): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) All the private airlines have represented that a special fund may be created for funding purchase of aircraft. The feasibility of creating such a fund would depend upon a variety of decisions involving different departments. The matter is under examination.

भुज विमानपत्तन पर एक नए टर्मिनल की स्थापना

1411. **श्री चिमनभाई हरीभाई शुक्ल:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष ने कच्छ जिले के भुज में वायुसेना विमानक्षेत्र में नागरिक विमानपत्तन के एक नए टर्मिनल की स्थापना के सरकारी तौर पर स्थायी आदेश जारी कर दिए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त स्थायी आदेश को स्वीकृत कर दिया है;

(घ) क्या भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्ययन ने इन आदेशों के संबंध में उपरोक्त विमानपत्तन का दौरा किया है;

(ङ) क्या उपरोक्त टर्मिनल के निर्माण के लिये रक्षा मंत्रालय से भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है; और

(च) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष की इस संबंध में सेवा के अधिकारों की सीमाएं क्या हैं?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी० एम० इब्राहीम): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की रक्षा हवाई क्षेत्र की चारदीवारी के अंदर, भुज हवाई अड्डे पर, सिविल विमान यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं सहित एक टर्मिनल परिसर के निर्माण की योजनाएं हैं। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकरण ने गुजरात राज्य सरकार से 43 एकड़ भूमि प्राप्त की है और व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए तकनीकी दल ने स्थल का दौरा किया है।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) और (च) नये टर्मिनल परिसर, एप्रन और लिंक टैक्सीपथ के निर्माण के लिए, प्राधिकरण को रक्षा मंत्रालय से क्लीयरेंस प्राप्त करना होगा।

Allocation of Budget for Air India

1412. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Budget for 1997-98 of Air India has been allocated;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have reviewed its financial performance for the year 1996-97;

(d) if so, the details thereof;

(e) the projection made in respect of passenger carriage, cargo carriage, utilisation of aircrafts and utilisation of manpower; and

(f) the steps taken by Government to make Air-India a profit making enterprise?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C. M. IBRAHIM): (a) Yes, Sir.

(b) The approved Annual Plan outlay of Air India for 1997-98 is Rs. 1233.45 crores.

(c) and (d) Performance of Air India has been monitored from time to time and suitable directions, wherever necessary, have been given.